व्यापार के पक्ष में हैं, लेकिन उसके लिए विकसित देश अपने किसानों को जो बहुत सारी सब्सिडी देते हैं, वह कम होनी चाहिए। यह भूमिका पिछले पांच साल सरकार ने भी जारी रखी थी। आज लगता है कि चुनाव के बाद माहौल अचानक बदल गया है। चुनाव के बाद सारा माहौल बदला-बदला नजर आया है। मंत्री भी बदले हैं और पॉलिसी भी बदली गई है। उन्होंने अमरीका में एक महीने पहले जाकर ऐलान किया कि अमरीका और भारत की इस विषय में अब कोई दो राय नही है, उनकी कोई अलग-अलग राय नहीं है। परंतु हमारी राय अलग-अलग है। आज जो खबर आई है, यह भारत की कृषि के लिए खतरे की घंटी बजी है। विकसित देश सब्सिडी तो डायरेक्ट देते ही हैं, साथ ही ग्रामीण परिवेश कायम रखने के नाम पर और सब्सिडी दे रहे हैं। वे जो भारत के कहने पर, विकासशील देशों के कहने पर, लिव इट करना चाहते हैं, क्योंकि हमने उस समय एक यूनियन बनाई थी और सब मिलकर लड़े थे, इसलिए दोहा राउंड पूरा नही हुआ था, लेकिन अब जो हो रहा है, भारत का किसान उससे कभी भी मैच नही कर पाएगा। वह कभी भी उससे प्रतिस्पर्द्धा नही कर पाएगा, क्योंकि यहां उसे लागत मूल्य पर आधारित कीमत भी नही मिल रही है। हम समान स्पर्द्धा के लिए तैयार है। हम विश्व व्यापार के लिए तैयार है, लेकिन यह विश्व व्यापार भारत की खेती को ले डूबेगा। यह किसान को मृत्यु दंड देगा, उसके लिए आत्महत्या के सिवाय कोई राह नही रहेगी। इसलिए सरकार अभी जाग जाए। हम चेतावनी देते हैं कि आप यह स्टैंड बदलें। जो स्टैण्ड पहले से है, आप वही रखिए, नही तो संघर्ष होगा। यह संघर्ष सदन में भी होगा और बाहर भी होगा।

SHRI SHARAD ANANTRAO JOSHI (Maharashtra) **:** Sir, I associate myself with the issue raised by Shri Prakash Javadekar.

श्री ओ.टी. लेपचा (सिक्किम) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे सम्बद्ध करता हूं।

Circulation of fake currency notes in the country

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड) : उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान नकली करेंसी नोट्स की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, पहले बच्चों को लुभाने के लिए चूरन के साथ नकली नोट मिला करते थे, पर अब एक देश की अर्थनीतिक व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए हमारे पड़ोसी देश नकली नोटों का प्रचलन चला रहे हैं। पहले पचास रुपए का नकली नोट बनाया गया, उसके बाद सौ रुपए का, पांच सौ रुपए और हजार रुपए बनाया गया है। पहले घुसपैठिए अपने साथ नकली नोट लाते थे। जब वे पकड़े जाते थे, तो जेल जाते थे या कार्रवाई होती थी या seize कर लिए जाते थे। दुर्भाग्य यह है कि अब स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ट्रेजरी से भी नकली नोट निकल रहे हैं। पिछले दिनों हमने डुमरियागंज में देखा ...**(व्यवधान)**... मैं बता रहा हूं, डुमरियागंज में एसबीआई की ट्रेजरी से नकली नोट मिले और करोड़ो की संख्या में मिले। जहां एटीम vending machine लगाई गई है, जहां आप डेबिट कार्ड लगा कर, क्रेडिट कार्ड लगा कर, एटीएम कार्ड लगा कर पैसा निकालते हैं, उसमें भी नकली नोट निकले। इसके पीछे बहुत सारे कारण हैं। जब कच्ची धानी से ही नकली तेल निकलने लगे और ट्रेजरी से ही नकली नोट निकलने लगे, तो हम किस पर विश्वास करें। कल अगर हम पोस्ट ऑफिस जाएं और वहां से नकली स्टाम्प निकले, तो क्या होगा! रेवेन्यू स्टाम्प पेपर, जो कचहरियों में मिलता है, जब स्टाम्प वेंडर से हमें नकली स्टाम्प मिले, तो तेलगी स्कैम खुला सामने आया। अब ये नकली नोट निकल रहे हे और एक आकलन के हिसाब से, क्योंकि सरकारी आकलन तो वही है कि जो बैंक की खिड़की पर पकड़ा गया, उसी को नकली नोट माना जा रहा है, पर एक आकलन कह रहा है कि एक हजार, पांच सौ और सौ के जितने नोट हैं, उनके 50 फीसदी नोट नकली हैं, जो बाजार में हैं।

महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। सरकार ने इस पर बार-बार सोचा और आरबीआई द्वारा रॉ, इंटेलीजेंस ब्यूरो, सीबीआई और नारकोटिक्स बोर्ड पर एक सेल बनाया गया। यह कहा गया कि इसके लिए एक स्पेशल सेल पूरे देश में चलेगा, जिससे नकली नोट को रोका जाएगा। बंगलादेश और नेपाल के बार्डर पर स्थित जो राज्य हैं, उन इलाकों में नकली नोट का प्रचलन हो रहा है। एटीएम मशीन या कैशियर के विंडो से जब आप अपने चेक से पैसा लेते हैं और अगर आप पैसे लेकर विंडो से हट जाते हैं और आप कहते हैं कि नकली नोट है, तो आपका चालान हो जाएगा, आप जेल चले जाएंगे, आप पर FIR हो जाएगा। ...**(समय की घंटी)**... यह जो सारी व्यवस्था है, इसको रोकने के लिए सरकार कोई कठोर कदम उठाए। उसका सबसे बड़ा कारण है कि ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : अहलुवालिया जी, आपका समय समाप्त हो गया है और माइक बन्द हो गया है। Hon. Members, we will now take up further discussion on the Railway Budget. But before that, I would like to inform you that there are still 35 names listed. We are left with hardly three-and-a-half hours. ...*(Interruptions)*... Now it has become 35. So, no more names will be entertained. The reply is at 5 o'clock and the time available is just three-and-a-half hours. Therefore, I would humbly request all the hon. Members not to take more than five minutes. ...*(Interruptions)*...

SHRI RAJNITI PRASAD (Bihar) : There will be no lunch break.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There will be no lunch break. I am taking it as three-and-a-half hours taking into consideration that there will be no lunch break. ...*(Interruptions)*...

SHRI S. S. AHLUWALIA: Why, Sir? We are going to sit late.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No. We are not going to sit late. The reply is at 5 o'clock.

SHRI S.S. AHLUWALIA: The reply is at 5 o'clock. After 5 o'clock, there is a statement.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: After that there will be Special Mentions. ...*(Interruptions)*... After the statement of the External Affairs Minister, there will be Special Mentions. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: Then there will be clarifications.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will see to it when it comes up.

SHRI S. S. AHLUWALIA: No, Sir. We have already given notice that we want to seek clarifications.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. That is why, taking all that into consideration, I am appealing to the hon. Members, when they speak on the Railway Budget, only mention those things like where they want new railway stations, new trains, etc., and not the whole thing. All your colleagues have already mentioned whatever you want to mention on the Railway Budget. Now, I would request Dr. C.P. Thakur to speak.